



**إعداد الأمة الإسلامية للقرن الحادي والعشرين
في مجالات التعاون الاقتصادي والتجاري والمالي
بين الدول الأعضاء في منظمة المؤتمر الإسلامي**

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

المحتويات

| | |
|----|---|
| 7 | |
| 9 | : |
| 9 | • |
| 12 | • |
| 16 | • |
| 16 | • |
| 18 | : |
| 22 | : |
| 23 | • |
| 25 | • |
| 27 | • |
| 28 | • |
| 30 | • |
| 31 | • |
| 32 | • |
| 33 | • |
| 33 | • |
| 34 | • |
| 36 | • |

37

•

37

:

39

:

44

:

تهيد

أولاً - مقدمة

:

1-1

2-1

:

3-1

4-1

5-1

6-1

%23

%19

%30

54

400

120

:

7-1

:

(

(

(

(

(

(

8-1

9-1

10-1

11-1

12-1

:

:

:

13-1

(

(

(

(

(

:

14-1

:

15-1

16-1

ثانيا - تعزيز التعاون

1-2

2-2

:

()

(

(

3-2

4-2

()

5-2

6-2

:

(

(

(

(

ثالثا - الإجراءات الخاصة بمجال التنمية

1-3

2-3

3-3

(

(

(

(

(

4-3

5-3

6-3

7-3

8-3

()

9-3

10-3

11-3

12-3

13-3

14-3

15-3

(

(
(
(
(

16-3

:

(

(

(

(

(

(

(

17-3

18-3

2020

رابعاً - دور مؤسسات الأمة الإسلامية في تحويل التصور إلى واقع

1-4

()

:

: ()

(

(

()

(

خامسا - دور البنك الإسلامي للتنمية

1-5

2-5

3-5

4-5

5-5

6-5

7-5

8-5

9-5

10-5

11-5

12-5

13-5

14-5

15-5

16-5

17-5

سادسا - الخاتمة

1-6

2-6

(11 -)



:

